

# मुहावरों



1. अँगूठा दिखाना – वक्त पर साफ़ मना कर देना
2. अंगारे उगलना – अत्यधिक क्रोध में कटु या कड़वे वचन बोलना
3. अंधा होना – विवेक खो देना या भले-बुरे का ज्ञान न रहना
4. अंधे की लाठी होना – एकमात्र सहारा होना
5. अक्ल का अंधा होना – पूरी तरह मूर्ख होना
6. अक्ल के पीछे लट्टु लिए फिरना – मूर्खतापूर्ण काम करना

7. अक्ल चरने जाना – बुद्धि का समय पर काम न करना
8. अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना – अपनी प्रशंसा स्वयं करना
9. अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना – अपना नुकसान स्वयं करना
10. अपने पैरों पर खड़ा होना – आत्मनिर्भर होना
11. आँख का तारा होना – अत्यधिक प्रिय होना
12. आँखें खुलना – होश आना या वास्तविकता का ज्ञान होना

- 13. आँखें चुराना** – कतराना या सामने आने से बचना
- 14. आँखें बिछाना** – अत्यधिक प्रेम से स्वागत या प्रतीक्षा करना
- 15. आँखें फेर लेना** – प्रतिकूल हो जाना या पहले जैसा व्यवहार न रखना
- 16. आँखों में धूल झोंकना** – धोखा देना
- 17. आँच न आने देना** – ज़रा सा भी कष्ट या नुकसान न होने देना
- 18. आँसू पीकर रह जाना** – दुःख या भीतर के रौने को ज़बरदस्ती दबा लेना



- 19. आकाश-पाताल एक करना** – अत्यधिक कठिन परिश्रम करना
- 20. आकाश के तारे तोड़ना** – असंभव कार्य को करने का प्रयास करना
- 21. आग बबूला होना** – अत्यधिक क्रोधित होना
- 22. आग में घी डालना** – क्रोध या झगड़े को और अधिक भड़काना
- 23. आनाकानी करना** – टालमटोल करना या मना करने का बहाना खोजना
- 24. आपे से बाहर होना** – अपने वश में न रहना या अत्यधिक क्रोधित होना



**25. आसमान पर चढ़ाना** — अत्यधिक प्रशंसा करके घमंडी बना देना

**26. आसमान सिर पर उठाना** — बहुत अधिक उपद्रव या शोर मचाना

**27. ईंट का जवाब पत्थर से देना** — दुष्ट के साथ कड़ा व्यवहार करना या करारा जवाब देना

**28. ईंट से ईंट बजाना** — पूरी तरह से नष्ट-भ्रष्ट कर देना

**29. ईद का चाँद होना** — बहुत दिनों बाद दिखाई देना

**30. उँगली पर नचाना** — अपनी इच्छा के अनुसार वश में रखना या चलाना

- 31. उँगली उठाना** – किसी पर दोष लगाना या कलंकित करना
- 32. उड़ती चिड़िया पहचानना** – मन की बात को दूर से ही ताड़ लेना
- 33. उन्नीस-बीस का अंतर होना** – बहुत ही मामूली या बहुत कम अंतर होना
- 34. उल्लू सीधा करना** – अपना स्वार्थ सिद्ध करना या अपना काम निकालना
- 35. ऊँट की चोरी निहुरे-निहुरे** – किसी बड़े या प्रकट होने वाले काम को छिपाकर करने की कोशिश करना

**36. एक आँख से देखना** — सबके साथ समान व्यवहार करना

**37. एक और एक ग्यारह होना** — संगठन में बहुत बड़ी शक्ति होना

**38. एक लाठी से सबको हांकना** — अच्छे-बुरे का अंतर किए बिना सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना

**39. एड़ी-चोटी का जोर लगाना** — पूरा प्रयास या कठिन परिश्रम करना

**40. ओखली में सिर देना** — जान-बूझकर मुसीबत मोल लेना



- 41. ओस के मोती होना** – बहुत ही क्षणभंगुर या जल्दी नष्ट होने वाली वस्तु
- 42. कलेजा ठंडा होना** – संतोष होना या मन को शांति मिलना
- 43. कलेजे पर सांप लोटना** – ईर्ष्या या डाह से बुरी तरह जलना
- 44. काटो तो खून नहीं** – अत्यधिक भयभीत या स्तब्ध रह जाना
- 45. कान कतरना** – चालाकी या चतुराई में बहुत आगे निकल जाना
- 46. कान का कच्चा होना** – किसी भी बात पर बिना सोचे-समझे तुरंत विश्वास कर लेना

**47. कान भरना** – पीठ पीछे किसी की शिकायत या चुगली करना

**48. कान पर जूँ न रेंगना** – बात का ज़रा सा भी असर न होना या बिल्कुल परवाह न करना

**49. काया पलट जाना** – पूरी तरह से रूप या स्थिति का बदल जाना

**50. कीचड़ उछालना** – किसी को बदनाम करना या चरित्र पर लांछन लगाना

**51. खटाई में पड़ना** – काम का अनिश्चित हो जाना या रुक जाना

**52. खरी-खोटी सुनाना** – साफ़-साफ़ कड़वी बातें कहना या डांटना

- 53. खाक छानना** – दर-दर भटकना या व्यर्थ का परिश्रम करना
- 54. खिचड़ी पकाना** – गुप्त रूप से कोई योजना या षड्यंत्र रचना
- 55. खिल्ली उड़ाना** – उपहास या मज़ाक उड़ाना
- 56. खून का घूंट पीना** – भीतर ही भीतर गुस्सा दबाकर शांत रह जाना
- 57. खून पसीना एक करना** – बहुत अधिक कठिन परिश्रम करना
- 58. खेत रहना** – युद्ध में वीरगति को प्राप्त होना (शहीद होना)



**59. गंगा नहाना** – किसी बहुत बड़े या कठिन कार्य को पूरा कर लेना

**60. गड़े मुर्दे उखाड़ना** – पुरानी भूली हुई बातों या विवादों को दोबारा शुरू करना

**61. गाल बजाना** – डींग हाँकना या व्यर्थ की बकवास करना

**62. गागर में सागर भरना** – कम शब्दों में बहुत गहरी या बड़ी बात कह देना

**63. गिरगिट की तरह रंग बदलना** – अवसरवादी होना या अपनी बात से बार-बार बदलना

- 64. गुदड़ी का लाल होना** – निर्धन परिवार में गुणी व्यक्ति का जन्म होना
- 65. गूलर का फूल होना** – दुर्लभ होना या कभी दिखाई न देना
- 66. घड़ों पानी पड़ना** – अत्यधिक लज्जित या शर्मिंदा होना
- 67. घी के दीए जलाना** – अत्यधिक खुशियाँ मनाना (खुशहाली आना)
- 68. घाव पर नमक छिड़कना** – दुःखी व्यक्ति को और अधिक दुःखी करना
- 69. घास खोदना** – व्यर्थ में अपना समय नष्ट करना

**70. चंपत होना** – रफूचक्कर हो जाना या भाग जाना

**71. चकित रह जाना** – अत्यधिक आश्चर्य में पड़ जाना

**72. चादर बाहर पैर पसारना** – आय या आमदनी से अधिक खर्च करना

**73. चार चाँद लगाना** – किसी वस्तु या प्रतिष्ठा की शोभा को और बढ़ा देना

**74. चोली-दामन का साथ होना** – बहुत गहरा या अटूट संबंध होना

**75. च्युड़ंगम चबाना / चबा चबा कर बात करना** – बात को बहुत अधिक लंबा

खींचना



- 76. छाती पर मूंग दलना** – पास रहकर दूसरों को लगातार कष्ट या दुःख देना
- 77. छाती पर सांप लोटना** – ईर्ष्या या जलन से बुरी तरह तड़पना
- 78. छक्के छूटना** – बुरी तरह पराजित होना या होश उड़ जाना
- 79. छप्पर फाड़कर देना** – बिना किसी विशेष प्रयास के अचानक बहुत अधिक धन मिलना
- 80. छोटा मुँह बड़ी बात** – अपनी योग्यता या उम्र से बढ़कर बड़ी बातें करना
- 81. जमीन पर पैर न पड़ना** – अत्यधिक घमंड होना या अत्यधिक खुश होना

- 82. ज़हर का घूंट पीना** – कड़वी और अपमानजनक बात को चुपचाप सह लेना
- 83. जान हथेली पर रखना** – मृत्यु की परवाह न करते हुए भारी जोखिम उठाना
- 84. जान पर खेलना** – बहुत बड़ा संकट मोल लेना
- 85. जी चुराना** – किसी काम को करने से बचना या भागना
- 86. जी खट्टा होना** – किसी बात या व्यवहार से मन में विरक्ति या अरुचि पैदा होना
- 87. जी जान से लगना** – पूरी शक्ति और लगन के साथ काम में जुट जाना

**88. जीभ का चटोरा होना** – खाने-पीने का बहुत अधिक शौकीन होना

**89. जूँ न रेंगना (कान पर)** – बात का ज़रा सा भी असर न होना

**90. जैसी रुह वैसे फरिश्ते** – जैसे खुद होना वैसे ही साथी मिलना

**91. जौहर दिखाना** – अपनी वीरता, कला या योग्यता का प्रदर्शन करना

**92. ठंडा पड़ना** – जोश या उत्साह का पूरी तरह समाप्त हो जाना

**93. टाँग अड़ाना** – किसी के कार्य में व्यर्थ का विघ्न या बाधा डालना



- 94. टस से मस न होना** – अपनी बात या जगह पर पूरी तरह अड़े रहना
- 95. टेढ़ी खीर होना** – बहुत अधिक कठिन या दुसाध्य कार्य होना
- 96. टोपी उछालना** – किसी का सरेआम अपमान या बेइज्जती करना
- 97. ठकुरसुहाती करना** – केवल चापलूसी या खुशामद की बातें करना
- 98. ठिकाने लगाना** – पूरी तरह समाप्त या नष्ट कर देना
- 99. डंका बजाना** – प्रभाव या ख्याति स्थापित करना

**100. ढाक के तीन पात** – हमेशा एक जैसी स्थिति रहना (कोई सुधार न होना)

**101. तिल का ताड़ बनाना** – छोटी सी बात को बहुत बड़ा-चढ़ाकर कहना

**102. तीतर-बीतर होना** – बिखर जाना या चारों ओर भाग जाना

**103. तिनके का सहारा होना** – संकट में थोड़ी सी मदद मिलना

**104. तोते की तरह आँखें फेरना** – पुराने संबंधों को पूरी तरह भुला देना या

बेरुखी अपनाना

**105. तेवर चढ़ना** – बहुत अधिक क्रोधित होना

**106. तोते उड़ जाना (हाथ के)** – अचानक होश उड़ जाना या घबरा जाना

**107. थूकर चाटना** – अपनी ही कही हुई बात से मुकर जाना

**108. थाली का बैंगन होना** – सिद्धांतहीन होना या बार-बार पक्ष बदलना

**109. दम तोड़ना** – मर जाना या अंतिम साँस लेना

**110. दाँत खट्टे करना** – बुरी तरह पराजित करना (हरा देना)



111. दाँतों तले उँगली दबाना – अत्यधिक आश्चर्यचकित होना

112. दाई से पेट छिपाना – जानकार व्यक्ति से ही किसी बात को छिपाने का प्रयास करना

113. दाल न गलना – युक्ति या चाल का सफल न होना (काम न बनना)

114. दिन दूनी रात चौगुनी होना – बहुत तेज़ी से तरक्की या उन्नति होना

115. दिक्कत में डालना – संकट पैदा करना

**116. दीया तले अंधेरा होना** – दूसरों को ज्ञान देने वाले के अपने घर या पास में ही दोष होना

**117. दम दबाकर भागना** – डरकर चुपचाप भाग जाना

**118. दूध का दूध और पानी का पानी होना** – पूरी तरह निष्पक्ष और सही न्याय होना

**119. दो नावों पर पैर रखना** – एक साथ दो विरोधी पक्षों या कार्यों में शामिल होना

120. धता बताना – चकमा देकर भाग जाना या साफ़ मना कर देना
121. धाक जमाना – अपना रोब या प्रभाव स्थापित करना
122. धूल चटाना – बुरी तरह हरा देना या परास्त करना
123. धूप में बाल सफेद करना – बिना किसी अनुभव के ही बूढ़ा होना
124. धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का – कहीं का न रहना (निकम्मा होना)
125. ध्यान में आना – समझ में आना या याद आना



**126. नकेल हाथ में होना** – पूरी तरह अपने नियंत्रण या वश में होना

**127. नज़र चुराना** – शर्म के मारे सामने न आना या कतराना

**128. नब्ज पहचानना** – किसी के स्वभाव या मन की बात को अच्छी तरह जान लेना

**129. नमक-मिर्च लगाना** – बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर या मसालेदार

बनाकर कहना

**130. नब्बे-निन्यानबे का फेर होना** – धन कमाने या जोड़ने के चक्कर में पड़े रहना

**131. नहले पर दहला मारना** – मुँहतोड़ जवाब देना या किसी की चाल का करारा

**जवाब देना**

**132. नाक का बाल होना** – अत्यधिक प्रिय होना

**133. नाक रगड़ना** – दीनतापूर्वक विनती करना या माफ़ी माँगना

**134. नाक कटना** – प्रतिष्ठा या इज्जत नष्ट होना

**135. नाकों चने चबाना** – बहुत अधिक तंग करना या परेशान होना

**136. नाड़ी देखना** – दशा या स्थिति की जाँच करना

**137. नाम कमाना** – यश या ख्याति प्राप्त करना

**138. नाम डुबोना** – कुल या परिवार को कलंकित करना

**139. नौ-दो ग्यारह होना** – रफूचककर हो जाना या भाग जाना

**140. नौ दिन चले अढ़ाई कोस** – बहुत धीमी गति से कार्य करना



**141. पगड़ी उछालना** – सरे आम बेइज्जती या अपमान करना

**142. पहाड़ टूट पड़ना** – अचानक बहुत बड़ा भारी संकट आ जाना

**143. पाँचों उँगलियाँ घी में होना** – सब ओर से लाभ ही लाभ होना

**144. पानी-पानी होना** – अत्यधिक लज्जित या शर्मिदा होना

**145. पानी पीकर कोसना** – हर समय किसी का बुरा चाहना या बुराई करना

**146. पापड़ बेलना** – बहुत कठिन परिश्रम या संघर्ष का जीवन जीना

**147. पासा पलटना** – अचानक भाग्य या बाजी का बदल जाना

**148. पीठ दिखाना** – युद्ध के मैदान से भाग जाना (कायरता दिखाना)

**149. पीठ थपथपाना** – शाबाशी देना या सांत्वना देना

**150. पेट में दाढ़ी होना** – छोटी उम्र में ही बहुत अधिक चालाक या बुद्धिमान होना

**151. फटेहाल होना** – अत्यंत दरिद्र या दयनीय स्थिति में होना

**152. फूंक-फूंककर पैर रखना** – बहुत अधिक सोच-समझकर या सावधानी से काम करना

**153. फूलकर कुप्पा होना** – अत्यधिक प्रसन्न होना या घमंड से भर जाना

**154. बगुला भगत होना** – पाखंडी होना या ऊपर से साधु और भीतर से दुष्ट होना

**155. बट्टा लगाना** – कलंकित करना या प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाना



**156. बन्दर घुड़की देना** – केवल डराने के लिए झूठी धमकी देना (गीदड़ भभकी)

**157. बसंत का कोकिल होना** – अच्छे दिनों में साथ रहने वाला मौजी साथी

**158. बाएँ हाथ का खेल होना** – बहुत ही आसान या सरल कार्य होना

**159. बाजी मारना** – जीत जाना या आगे निकल जाना

**160. बाल की खाल निकालना** – व्यर्थ का बहुत बारीक दोष या मीन-मेख

निकालना

- 161. बाल-बाल बचना** – बहुत भयंकर संकट से बाल बराबर दूरी से सुरक्षित निकल जाना
- 162. बीड़ा उठाना** – किसी बहुत कठिन कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी या संकल्प लेना
- 163. बिल्ली के भागों छींका टूटना** – अचानक बिना किसी उम्मीद के भाग्यवश कोई  
मनचाही वस्तु मिलना
- 164. भद्र पुरुष होना** – सभ्य और सज्जन व्यक्ति होना
- 165. भनक पड़ना** – किसी गुप्त बात का थोड़ा सा आभास या कान में पड़ना

**166. भसड़ मचना** – भारी अव्यवस्था, शोर-शराबा या उपद्रव होना

**167. भाड़ झोंकना** – समय नष्ट करना या कोई फालतू का काम करना

**168. भीगी बिल्ली बनना** – डर के मारे बिल्कुल सहम जाना या नम्र बन जाना

**169. भूत सवार होना** – किसी बात की धुन या पागलपन सवार हो जाना

**170. भेड़िया धसान होना** – बिना सोचे-समझे अंधानुकरण करना (एक के पीछे

सब भागना)



**171. भैंस के आगे बीन बजाना** – मूर्ख या बुद्धिहीन के सामने ज्ञान की बातें करना

पूरी तरह व्यर्थ होना

**172. मखौल उड़ाना** – खिल्ली उड़ाना या मज़ाक बनाना

**173. मगरमच्छ के आँसू बहाना** – दिखावे का झूठा दुःख या सहानुभूति प्रकट करना

**174. मटियामेट करना** – पूरी तरह से नष्ट-भ्रष्ट या बर्बाद कर देना

**175. मन खट्टा होना** – व्यवहार या बात के कारण मन में अरुचि या विरक्ति होना

**176. मन के लड्डू खाना** – केवल कल्पना करके ही खुश होते रहना (हवाई किले बनाना)

**177. मरोड़ उठना** – मन में ईर्ष्या या कसक पैदा होना

**178. ममहित होना** – दिल को बहुत गहरी चोट या दुःख पहुँचना

**179. मला मल्ल होना** – कड़ा मुकाबला होना

**180. माथा ठनकना** – अनिष्ट की आशंका होना या किसी गड़बड़ का शक होना

181. माथे पर बल पड़ना – असंतोष, चिंता या गुस्सा प्रकट होना

182. मान न मान मैं तेरा मेहमान – ज़बरदस्ती किसी के गले पड़ना

183. मियाँ की जूती मियाँ के सिर – किसी की चाल या साधन से उसी को मात देना

184. मिर्च लगना – कड़वी और सच्ची बात सुनकर बहुत बुरा लगना या चिढ़ना

185. मीन-मेख निकालना – व्यर्थ की कमियाँ या कमियाँ ढूँढ़ना



**186. मुँह की खाना** – बुरी तरह पराजित होना या मुँहतोड़ जवाब मिलना

**187. मुँह धो रखना** – किसी वस्तु की ऐसी आशा करना जो कभी पूरी न हो सके

**188. मुँह में पानी आना** – किसी स्वादिष्ट वस्तु को देखकर ललचा जाना

**189. मुँह मोड़ना** – वादे से मुकर जाना या प्रतिकूल हो जाना

**190. मुट्ठी गर्म करना** – रिश्त (घूस) देना

191. मुट्ठी में होना – पूरी तरह अपने नियंत्रण या वश में होना

192. मुफ्त का चन्दन घिस मेरे नन्दन – पराई या मुफ्त की वस्तु का बेरहमी से इस्तेमाल करना

193. मुमूर्षु होना – मरणासन्न या बिल्कुल अंत के करीब होना

194. मुर्गे की एक ही टाँग होना – अपनी जिद पर अड़े रहना (गलत होने पर भी बात न बदलना)

195. मूल काटना – जड़ से समाप्त कर देना

**196. मेढ़की को भी जुकाम होना – तुच्छ या अयोग्य व्यक्ति द्वारा नखरे दिखाना**

**या बड़ा बनने का ढोंग करना**

**197. मोम होना – कठोर हृदय का पिघल कर दयालु हो जाना**

**198. मोर का पंख लगना – अत्यधिक शोभा बढ़ जाना या प्रतिष्ठित होना**

**199. मौत को दावत देना – जान-बूझकर भारी संकट या जोखिम मोल लेना**

**200. म्याऊँ का ठौर पकड़ना – संकट के मुख्य कारण या बहुत जोखिम भरे**

**काम का सामना करना**



**201. यमलोक भेजना – जान से मार देना या मृत्युदंड देना**

**202. यश कमाना – ख्याति या नेकनामी प्राप्त करना**

**203. युग पलटना – पूरी तरह से समय या परिस्थिति का बदल जाना**

**204. युद्ध का नगाड़ा बजना – लड़ाई की शुरुआत होना या घोषणा होना**

**205. रंग उड़ जाना – अचानक घबरा जाना या डर के मारे चेहरे का भाव बदल**

**जाना**

**206. रंग में भंग पड़ना** – खुशी या उत्सव के माहौल में अचानक कोई बाधा या  
विघ्न आ जाना

**207. रफूचककर होना** – पुलिस या संकट को देखकर तुरंत भाग जाना

**208. राई का पहाड़ बनाना** – छोटी सी बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर कहना

**209. रास्ता देखना** – बहुत बेचैनी या प्रेम से किसी की प्रतीक्षा करना

**210. रोंगटे खड़े होना** – अत्यधिक आश्चर्य, डर या उत्साह से रोमांचित हो जाना

**211. लकीर का फकीर होना** – पुरानी रुढ़ियों, अंधविश्वासों या परंपराओं पर

ही चलते रहना

**212. लल्लो-चप्पो करना** – अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए अत्यधिक

चापलूसी या मीठी बातें करना

**213. लहू का घूंट पीना** – अपमान या गहरे गुस्से को चुपचाप सह लेना

**214. लोहा मानना** – किसी की श्रेष्ठता, वीरता या शक्ति को स्वीकार करना

**215. लाल-पीला होना** – अत्यधिक क्रोधित होना



**216. विष उगलना** – किसी के प्रति मन में भरी कड़वाहट, द्वेष या कटु वचन बोलना

**217. वादे का पक्का होना** – अपनी बात का पूरी तरह निर्वहि करना (सत्यवादी होना)

**218. हवा से बातें करना** – बहुत तेज़ गति से दौड़ना या चलना

**219. हथियार डाल देना** – हार स्वीकार कर लेना या पूरी तरह आत्मसमर्पण करना

**220. हथेली पर सरसों जमाना** – बहुत कम समय में किसी असंभव कार्य को

करने की जिद करना

**221. हवाई किले बनाना** – बिना किसी ठोस आधार के केवल कल्पना की

ऊँची-ऊँची योजनाएँ बनाना

**222. हाथ मलना** – अवसर निकल जाने के बाद पछताना

**223. हाथ साफ़ करना** – किसी वस्तु की चोरी कर लेना या ठग लेना

**224. हाथ धो बैठना** – किसी प्रिय वस्तु को हमेशा के लिए खो देना

- 225. हाथ खींचना** – सहायता बंद कर देना या किसी काम से अलग हो जाना
- 226. हाथों-हाथ लेना** – बहुत अधिक उत्साह और आदर से स्वागत करना
- 227. हुक्का-पानी बंद करना** – समाज या बिरादरी से पूरी तरह बहिष्कृत कर देना
- 228. होश उड़ जाना** – अचानक लगे गहरे सदमे या डर से घबरा जाना
- 229. क्षमा की याचना करना** – दीनतापूर्वक माफ़ी माँगना
- 230. हतोत्साहित होना** – हिम्मत टूट जाना या निराशा से भर जाना



**231. हृदय का पिघलना** – दया या करुणा का भाव जागृत होना

**232. हाथ पाँव फूलना** – अत्यधिक डर या संकट के कारण घबरा जाना (बुद्धि काम न करना)

**233. हँसते-हँसते प्राण देना** – देश या कर्तव्य के लिए सहर्ष वीरगति को प्राप्त होना

**234. क्षितिज को छूना** – सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचना

**235. क्षणभंगुर होना** – बहुत जल्दी नष्ट हो जाने वाली स्थिति होना

**236. खून खोलना** – अत्यधिक गुस्सा आना या जोश से भर जाना

**237. घाव हरा होना** – पुराना भूला हुआ दुःख या विवाद फिर से याद आ जाना

**238. छाती तानकर खड़ा होना** – निर्भीकता और साहस के साथ संकट का सामना करना

**239. जलती आग में कूदना** – जान-बूझकर भारी मुसीबत या जोखिम मोल लेना

**240. ज़मीन-आसमान का अंतर होना** – दो वस्तुओं या स्थितियों में बहुत भारी अंतर होना

**241. तकदीर का ताला खुलना** – अचानक भाग्य चमक जाना या अच्छे दिन आना

**242. तिल-तिल कर मरना** – बहुत तड़प-तड़प कर या धीरे-धीरे कष्ट झेलते हुए अंत की ओर बढ़ना

**243. तोते की तरह रटना** – बिना अर्थ या भाव समझे किसी बात को केवल जुबानी याद कर लेना

**244. धूप में बाल सुखाना** – बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के ही जीवन बिता देना



**245. नमक का हक अदा करना** – जिसके यहाँ खाया हो उसके प्रति पूरी तरह वफादार  
रहना

**246. पगड़ी रखना** – अपनी इज्जत या सम्मान किसी के हाथों में सौंप देना या गिड़गिड़ाना

**247. पत्थर की लकीर होना** – अमिट होना या कही गई बात का शत-प्रतिशत पक्का होना

**248. पापड़ बेलना** – जीवन में बहुत अधिक संघर्ष या कठिन परिस्थितियों का सामना  
करना

**249. पासा पलटना** – अचानक बाजी या भाग्य का बिल्कुल उल्टा हो जाना

**250. ज्ञान की आँखें खुलना** – अज्ञानता दूर होना या वास्तविकता का सही बोध  
हो जाना

| क्र.सं. | मुहावरे                                          | अर्थ                                   |
|---------|--------------------------------------------------|----------------------------------------|
| 1       | आँख खुलना                                        | भ्रम दूर होना                          |
| 2       | आँख का काजल बनाकर रखना                           | अत्यंत प्रिय बनाकर करीब रखना           |
| 3       | अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना                      | अपनी तारीफ खुद करना                    |
| 4       | आँख रखना                                         | निगरानी रखना                           |
| 5       | अपनी खिचड़ी अलग पकाना या<br>अढ़ाई चावल अलग पकाना | अन्य लोगों या समाज से अलग होकर<br>चलना |
| 6       | अपना उल्लू सीधा करना                             | अपने स्वार्थ की सोचते रहना             |
| 7       | अंधे के आगे रोना अपना दीदा खोना                  | निरर्थक प्रयास करना                    |



|    |                        |                                           |
|----|------------------------|-------------------------------------------|
| 8  | अन्न-जल उठाना          | निवास छूटना, मरना                         |
| 9  | अगर-मगर करना           | बहाने बनाना, हुज्जत करना                  |
| 10 | अक्ल का अंधा           | मूर्ख                                     |
| 11 | अंधों में काना राजा    | मूर्खों के बीच कुछ योग्य व्यक्ति          |
| 12 | अंधे के हाथ बटेर लगाना | अयोग्य के हाथ अनायास अच्छी वस्तु का लगाना |
| 13 | अंधेरे में तीर चलाना   | दिशाविहीन प्रयास करना                     |
| 14 | अंधे के आगे रोना       | व्यर्थ प्रयत्न करना                       |
| 15 | अंधे की लाठी ( लकड़ी ) | एकमात्र सहारा                             |

|    |                      |                                                        |
|----|----------------------|--------------------------------------------------------|
| 16 | अंडा सेना            | खाली बैठे रहना                                         |
| 17 | अंजर-मंजर ढीला होना  | शिथिल या लस्त हो जाना                                  |
| 18 | अँगूठा दिखाना        | समय पर धोखा देना                                       |
| 19 | अंगारों पर लोटना     | रोष या क्रोध करना, ईर्ष्या या डाह करना, बहुत कष्ट सहना |
| 20 | अंगारों पर पैर रखना  | अपने को खतरे में डालना, जानबूझकर हानिकारक कार्य करना   |
| 21 | अंग-अंग फूले न समाना | बहुत आनंदित होना                                       |
| 22 | अँगूठा नचाना         | चिढ़ाना                                                |

|    |                               |                                                 |
|----|-------------------------------|-------------------------------------------------|
| 23 | उड़ती चिड़ियाँ पहचानना        | मन की बात समझ लेना                              |
| 24 | उँगली पकड़ते ही पहुँचा पकड़ना | थोड़ा-सा सहारा पाकर और अधिक पाने का प्रयास करना |
| 25 | ईद का चाँद होना               | बहुत दिनों के बाद दिखना                         |
| 26 | ईंट से ईंट बजाना              | युद्धात्मक विनाश लाना                           |
| 27 | ईंट का जवाब पत्थर से देना     | कड़ा प्रतिकार करना                              |
| 28 | इशारे पर नचाना                | संकेत पाते ही आज्ञा का पालन करना                |
| 29 | आठ-आठ आँसू रोना               | बहुत पश्चाताप करना                              |
| 30 | आसमान टूट पड़ना               | सहसा विपत्ति आ जाना                             |



|    |                           |                                             |
|----|---------------------------|---------------------------------------------|
| 31 | आसमान पर दिमाग होना       | अधिक घमण्ड करना                             |
| 32 | आसमान सिर पर उठाना        | उत्पात मचाना, उपद्रव करना                   |
| 33 | आटे-दाल का भाव मालूम होना | दुनियादारी का बोध होना, हकीकत से रूबरू होना |
| 34 | आग बबूला होना             | अत्यंत क्रोधित होना                         |
| 35 | आकाश-पाताल एक करना        | बहुत परिश्रम करना                           |
| 36 | आँसू पीकर रह जाना         | भीतर ही भीतर कुढ़ना/कुंठित होकर रह जाना     |
| 37 | आँख लाल-पीली करना         | अत्यधिक क्रोधित होना                        |
| 38 | आँख में धूल झोंकना        | धोखा देना                                   |

|    |                        |                                                               |
|----|------------------------|---------------------------------------------------------------|
| 39 | आँखों का पानी मरना     | बेशर्मी लादना                                                 |
| 40 | आँख का काँटा होना      | खटकना, शत्रु होना                                             |
| 41 | आँखें फाड़कर देखना     | गौर से देखना/आश्चर्य से देखना                                 |
| 42 | आँख दिखाना             | क्रोध करना, धमकाना                                            |
| 43 | आँखें पथरा जाना        | गहरे शोक में होना, बहुत इंतजार करना                           |
| 44 | आँखें चार होना         | परस्पर देखना, आकर्षित होना                                    |
| 45 | किताबी कीड़ा होना      | व्यावहारिक दुनिया से परे केवल<br>किताबी पढ़ाई में व्यस्त होना |
| 46 | कालिख पोतना            | बदनामी करना                                                   |
| 47 | कान में तेल डाले बैठना | अनसुनी करना                                                   |



|    |                          |                                                  |
|----|--------------------------|--------------------------------------------------|
| 48 | कान का कच्चा होना        | बिना सोचे सहज ही किसी के कहने पर विश्वास कर लेना |
| 49 | कमर कसना                 | पूरी तरह तैयार या उद्यत होना                     |
| 50 | कान भरना                 | शिकायत करना                                      |
| 51 | कान पर जूँ न रेंगना      | अनसुनी करना, ध्यान न देना                        |
| 52 | काठ का उल्लू             | बड़ा मूर्ख                                       |
| 53 | कागजी घोड़े दौड़ाना      | केवल लिखा-पढ़ी करना                              |
| 54 | कल्पना के घोड़े दौड़ाना  | निरर्थक बातें करना                               |
| 55 | कलेजा/छाती पर साँप लोटना | डाह करना, कुढ़ना                                 |
| 56 | कलई खुलना                | भेद प्रकट होना                                   |



|    |                           |                                          |
|----|---------------------------|------------------------------------------|
| 57 | कच्चा चिट्ठा खोलना        | चरित्र का असली रूप देखना, भेद प्रकट करना |
| 58 | ओखली में सिर देना         | जान-बूझकर अपने को जोखिम में डालना        |
| 59 | एड़ी-चोटी का जोर लगाना    | कठिन परिश्रम करना                        |
| 60 | एक लाठी से सबको हाँकना    | सबको एक जैसा समझना                       |
| 61 | एक आँख से देखना           | समान भाव से देखना                        |
| 62 | एक ही थाली के चट्टे-बट्टे | एक ही प्रकृति के व्यक्ति                 |
| 63 | उँगली उठाना               | बदनामी करना, लांछित करना                 |
| 64 | उलटे छुरे से मूँड़ना      | बेवकूफ बनाकर काम निकालना                 |

|    |                                  |                                         |
|----|----------------------------------|-----------------------------------------|
| 65 | उलटे बाँस बोली को                | विपरीत दिशा में जाना या उलटा कार्य होना |
| 66 | आग लगने पर कुआँ खोदना            | पहले से ही कोई उपाय न करना              |
| 67 | घुटने टेक देना                   | पराजय मान लेना                          |
| 68 | दाल न गलना                       | कोई चाल काम न आना                       |
| 69 | गूलर का फूल होना                 | दिखाई न पड़ना                           |
| 70 | छठी का दूध याद आना/दिलाना        | बहुत परेशान होना/करना                   |
| 71 | गुड़ गोबर कर देना/गुड़ गोबर होना | अच्छा काम बिगड़ जाना                    |
| 72 | चाँद पर थूकना                    | अच्छे आदमी पर कलंक लगाना                |
| 73 | गिरगिट की तरह रंग बदलना          | विचारों में जल्दी-जल्दी परिवर्तन लाना   |



|    |                             |                                   |
|----|-----------------------------|-----------------------------------|
| 74 | चूड़ियाँ पहनना              | कायर होना                         |
| 75 | गड़े मुर्दे उखाड़ना         | पुराने झगड़े की बात फिर उठाना     |
| 76 | चुल्लू भर पानी में डूब मरना | अत्यधिक लज्जित होना               |
| 77 | खाला का घर                  | सहज काम, अपना घर, जहाँ मनमानी चले |
| 78 | चिकना घड़ा होना             | निर्लज्ज होना                     |
| 79 | खून के घूँट पीना            | बुरी लगने वाली बात को भी सह लेना  |
| 80 | चिराग तले अँधेरा होना       | निकट का दोष न दिखाई पड़ना         |
| 81 | खयाली पुलाव पकाना           | व्यर्थ कल्पना की उड़ान भरना       |
| 82 | चाँदी का जूता मारना         | रूपये-पैसे का लालच देना           |



|    |                           |                                    |
|----|---------------------------|------------------------------------|
| 83 | कोल्हू का बैल होना        | नासमझ, परन्तु परिश्रमी             |
| 84 | घड़ों पानी पड़ जाना       | अत्यंत शर्मिन्दा होना              |
| 85 | कीचड़ उछालना              | निंदा करना                         |
| 86 | घोड़े बेचकर सो जाना       | बेफिक्र होकर सोना                  |
| 87 | कलेजे पर पत्थर रखना       | मुश्किल में धीरज रखना              |
| 88 | घाट-घाट का पानी पीना      | घूम-फिरकर अनुभव प्राप्त करना       |
| 89 | तख्त उलटना/पलटना          | बना काम बिगाड़ देना, अपदस्थ होना   |
| 90 | तिल का ताड़ करना या बनाना | बात को तूल देना                    |
| 91 | डूबते को तिनके का सहारा   | संकट या दुःख के समय थोड़ी मदद करना |

|    |                                   |                            |
|----|-----------------------------------|----------------------------|
| 92 | दाँत खट्टे करना                   | बुरी तरह से हरा देना       |
| 93 | पाँचों अंगुलियाँ घी में होना      | चारों ओर से लाभ होना       |
| 94 | जलती आग में घी डालना              | मामले को और अधिक तूल देना  |
| 95 | नाको चने चबाना                    | तंग करना                   |
| 96 | जमीन पर पैर न पड़ना               | बहुत घमण्ड या अभिमान होना  |
| 97 | न तीन में न तेरह में              | किसी तरफ नहीं              |
| 98 | जहर उगलना                         | कड़वी बातें कहना           |
| 99 | दूसरे के कंधे पर रखकर बंदूक चलाना | दूसरे के सहारे काम निकालना |

|     |                          |                                                  |
|-----|--------------------------|--------------------------------------------------|
| 100 | जीती मक्खी निगलना        | जान-बूझकर हानिकारक कार्य करना                    |
| 101 | दिन दूनी रात चौगुनी होना | बहुत शीघ्र उन्नति करना                           |
| 102 | जहर का घूँट पीना         | किसी अनुचित बात पर भी क्रोध को मन ही मन दबा जाना |
| 103 | दाल में कुछ काला होना    | शक-संदेह की आशंका                                |